"निर्धनता दैवीय श्राप नहीं अपितु मानवीय सृष्टि है - महात्मा गाँधी"

समूह शक्ति

जयपुर | माह - फरवरी 2014 | वर्ष - दो | अंक - 2 | मासिक समाचार पत्र

छीपाबड़ौद – स्वयं सहायता समूहों में वितरित आजीविका संवर्धन राशि

बारां – राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परियोजना (आर. आर.एल.पी.) के अन्तर्गत बारां जिले के रिसोर्स ब्लॉक छीपाबड़ौद में 4 फरवरी 2014 को स्वयं सहायता समूहों को ट्रांच–1 व ट्रांच–2 देने हेतु 'आजीविका संवर्धन राशि चेक वितरण समारोह' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुल 26 स्वयं सहायता समूहों व 3 उत्थान संस्थान (सी.डी.ओ.) की सदस्य महिलाओं में आजीविका संवर्धन राशि के रूप में कुल 26 लाख 25 हज़ार रूपये के चेक वितरित किये गये। यह राशि परियोजनान्तर्गत समूह के सदस्यों द्वारा बनाई गई सूक्ष्म ऋण आजीविका योजना के आधार पर आजीविका गतिविधि एवं अन्य ऋण आवश्यकताओ की पूर्ति हेतु प्रदान की गई।

छीपाबड़ौद, राई व बंजारी कलस्टर के पी.एफ.टी. सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में तीनों कलस्टर के

चेक वितरण समारोह में उपस्थित महिलायें

स्वयं सहायता समूह की प्रतिनिधि एवं महिला सदस्यों एवं जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई से प्रबंधक (आजीविका एवं पर्यावरण) व प्रबंधक (सूक्ष्म वित्त) ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री भरत जी बाठला, पूर्व जिला प्रमुख सहित श्री महाराज सिँह सिंघवी, श्री भीम सिँह इन्द्रा, खण्ड विकास अधिकारी व श्री द्वारका लाल, सरपंच भी उपस्थित थे।

पी.सी. जैन
जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका, बारां।

चूरू – आजीविका उपपरियोजना कार्यशाला का आयोजन

चूरू – चूरू जिले में आजीविका उपपरियोजना पर विचार मंथन हेतु दिनांक 12 फरवरी 2014 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन श्री विवेक कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद्, चूरू की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में राजीविका से संबंधित विभाग यथा मनरेगा, कृषि, महिला एवं बाल विकास, जलग्रहण आदि एवं उत्थान संस्थानों तथा स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों ने भाग लिया। श्री विवेक कुमार ने उपस्थित प्रतिभागियों को उप परियोजना के निर्धारण में क्षेत्र की भौगलिक परिस्थितियों एवं प्रचलित आजीविका गतिविधियों को ध्यान में रखते हुये प्रायोगिक रूप से सक्षम आजीविका गतिविधियों का चयन करने पर बल दिया।

राजीविका उपपरियोजना कार्यशाला

राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई के प्रतिनिधि श्री रवीन्द्र, जिला परियोजना प्रबन्धक दीपक कपिला एवं जिला प्रबन्धक (आजीविका) उम्मेद सिंह ने अब तक तैयार किये सूक्ष्म साख एवं आजीविका नियोजन के आधार पर संभागियों से उप परियोजना के निर्धारण के संबंध में परिचर्चा की। चूरू जिले के लिये चना एवं मूंगफली से बने उत्पाद तैयार कर उनका विपणन, दुग्ध संकलन केन्द्र, बूंदी–बन्धेज एवं खरगोश पालन की गतिविधियां सर्वाधिक उपयुक्त पाई गई, जिनका विस्तृत अध्ययन कर अवधारण परिपत्र बनाये जाने एवं राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई के मार्गदर्शन में कार्ययोजना को अंतिम रूप दिए जाने का निर्णय लिया गया।

दीपक कपिला
जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका, चूरू।

महिला फेडरेशन के सदस्यों के साथ बैठक का आयोजन

बून्दी– बून्दी जिले में स्थित गाँव खटकड़ में 15 जनवरी 2014 को स्वयं सहायता समूहों के फेडरेशन समृद्धि महिला मण्डल ट्रस्ट के सदस्य समूहों की बैठक का आयोजन किया गया।

फेडरेशन बैठक में राज्य परियोजना प्रबन्धन इकाई, राजीविका से श्रीमती ज़ेबुलनिशा (वरिष्ठ विशेषज्ञ), श्री एस.एल. जांगिड़, जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका, बून्दी एवं अजेता गाँव के गणेश, रामलखन एवं लक्ष्मी स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों सहित सृजन संस्था के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

सृजन संस्था के कार्यालय में आयोजित इस बैठक में उपस्थित फेडरेशन की महिला सदस्यों से राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् के अन्तर्गत को–ऑप्शन के विषय में चर्चा की गयी। बैठक के दौरान वरिष्ठ विशेषज्ञ द्वारा उपस्थित महिलाओं, फेडरेशन स्टॉफ व सृजन संस्था के अधिकारियों से परिषद् के अन्तर्गत को–ऑप्शन की प्रक्रिया, नियम व शर्तें, पंचसूत्र के महत्व, उचित रिकार्ड संधारण, प्राथमिकता योजना व सूक्ष्म ऋण आजीविका योजना तैयार करने तथा ट्रांच–1 व ट्रांच–2 के विषय मे विस्तार से चर्चा कर तकनीकी जानकारी दी गई।

इसके साथ ही स्वयं सहायता समूहों की सदस्य महिलाओं को फेडरेशन को–ऑप्शन से होने वाले लाभ यथा परियोजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली आजीविका संवर्धन राशि, आवश्यकतानुसार बैंक से ऋण उपलब्ध कराने तथा फेडरेशन की सदस्य महिलाओं में से सी.आर.पी. व पी.आर.पी. का चयन आदि के विषय में विस्तार से समझाया गया। समस्या एवं समाधान चरण के दौरान उपस्थित महिलाओं व सृजन संस्था के अधिकारीगणों के को–ऑप्शन से सम्बन्धित प्रश्नों एवं भ्रान्तियो का निराकरण किया गया। बैठक के अंत में फेडरेशन की महिलाओं, स्टॉफ व सृजन संस्था के अधिकारियों ने को–ऑप्शन की प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु सहयोग करने में सहमति व्यक्त की।

बैठक से पूर्व श्रीमती ज़ेबुलनिशा ने सृजन संस्था के उपस्थित अधिकारियों श्री पदम जैन व श्री प्रेम नाथ योगी से फेडरेशन संबंधित जानकारियां एकत्रित कर को–ऑप्शन की प्रक्रिया में अब तक की गई प्रगति की समीक्षा की।

एस.एल. जांगिड़

जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका, बून्दी।

जिला कलेक्टर द्वारा परियोजना प्रगति की समीक्षा

राजसमन्द – श्री प्रीतम बी. यशवंत (आई.ए.एस.) जिला कलक्टर, राजसमन्द द्वारा 29 जनवरी 2014 को राजसमन्द के देवगढ़ ब्लॉक में स्थित गाँव दौलपुरा का दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। परियोजना प्रगति की समीक्षा करते हुये उन्होंने सी.आर.पी. राउण्ड, समूह गठन, महिलाओं के प्रशिक्षण आदि के विषय में भी जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात फरलिया गाँव के अम्बिका माता स्वयं सहायता समूह की सदस्य महिलाओं, बुक कीपर व सक्रिय महिलाओं से बचत, ऋण, लेखा संधारण आदि के बारे में बातचीत की।

परियोजना के अन्तर्गत ग्रामीण निर्धन महिलाओं के सशक्तिकरण व उन्हे आत्मनिर्भर बनाने के लिये किये जा रहे प्रयासों एवं उनमें महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से वे काफी प्रभावित थे। उनके अनुसार परियोजना के अन्तर्गत किये जा रहे प्रयासों द्वारा इन ग्रामीण महिलाओं के जीवन में अद्भुत परिवर्तन लाया जा सकता है।

भूपेन्द्र जैन

जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका, राजसमन्द।

जिला कलक्टर, राजसमन्द समूह की महिलाओं से बातचीत करते हुये

आर.आर.एल.पी अन्तर्गत निर्धन ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण एवं रोज़गार

राजीविका द्वारा राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना के अन्तर्गत किये गये अनुबंध के अनुसार सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिकस इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी (सिपेट) द्वारा राज्य के 18 जिलो में 1000 निर्धन ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

इसी क्रम में सिपेट द्वारा संचालित त्रैमासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम "डेटा एन्ट्री ऑपरेटर व कम्पयूटर एपलिकेशन्स" का समापन 31 जनवरी 2014 को हुआ। इस कार्यक्रम में कुल 31 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा प्रशिक्षणार्थियों का प्लेसमेंट प्रक्रियाधीन है। प्लेसमेंट प्रक्रिया के दौरान मैसर्स स्पैक्ट्रम आउटसोर्सिंग, जयपुर द्वारा साक्षात्कार के आधार पर 5 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया है।

इसके साथ ही जनवरी माह में ही सिपेट द्वारा 3 अन्य त्रैमासिक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों "प्लास्टिक प्रोसेसिंग मशीन ऑपरेटर", "टूल रूम मशीन ऑपरेटर" तथा "कम्पयूटर एडिड डिजाईन" का प्रारंभ किया जा चुका है। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों की संख्या 50 है तथा ये कार्यक्रम अप्रैल माह में पूर्ण होंगे। प्रशिक्षणार्थियों का चयन काउन्सिलिंग के आधार पर बारां, कोटा, धौलपुर, झालावाड़, सवाई माधोपुर, टोंक व दौसा जिले से किया गया है।

श्रीमती अर्चना जानू
उप महाप्रबन्धक (आजीविका), एस.पी.एम.यू., जयपुर।

चौथे सी.आर.पी. राउण्ड की समाप्ति

बारां – जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई बारां द्वारा जिले में चौथे सी.आर.पी. राउण्ड की समाप्ति के पश्चात 8 जनवरी 2014 को डी–ब्रीफिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। आन्ध्रप्रदेश से आयी 4 सी.आर.पी. टीम द्वारा एक माह के दौरान विकास खण्ड छीपाबड़ौद के चार संकुल छीपाबड़ौद, राई, बंजारी व सारथल मे महिला स्वयं सहायता समूहों के गठन व सशक्तिकरण के कार्य किया गया। चौथे राउण्ड की समाप्ति के पश्चात सी.आर.पी. टीम द्वारा कुल 55 स्वयं सहायता समूहों के गठन, 46 बुककीपर व सक्रिय महिला कायकर्ताओं का चयन कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। कार्यक्रम के अन्त मे गैर सरकारी संगठन के जिला प्रतिनिधियों ने समूहों के सम्बन्ध मे अपने अनुभव साझा किये व परियोजना मे आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

पी.सी. जैन
जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका, बारां।

मीना जोशी
सफलता की कहानी

मेरा नाम मीना जोशी है। मैं टोंक जिले के निवाई तहसील की रहने वाली हूँ। मेरे परिवार में तीन सदस्य हैं। मेरे पति एक प्राइवेट कम्पनी में काम करते हैं तथा बेटा स्कूल में पढ़ता है। मेरी आर्थिक स्थिति अच्छी नही थी, उस दौरान RGAVP-Tonk के पी.एफ.टी. मैनेजर ने मुझे बताया कि "Data Entry Operator & Computer Application" का कोर्स सिपेट–जयपुर में निःशुल्क करवाया जा रहा है। फिर मेरा RGAVP-Tonk के ऑफिस में **सिपेट–जयपुर** के अधिकारियों ने साक्षात्कार लिया, जिसमें मेरा चयन हुआ। यह कोर्स तीन महीने का था। मैने यह कोर्स किया और कोर्स के सम्पन्न होने के पश्चात् सिपेट – जयपुर के परिसर में **बालाजी एसोसियेशन, जयपुर** के द्वारा केम्पस प्लेसमेन्ट करवाया गया। जिसमें मेरा चयन हुआ और अब मैं वहाँ पर नौकरी कर रही हूँ। जहाँ मेरा मासिक वेतन रू. 6000 से 7000 तक है। अब मैं अपने परिवार की आर्थिक सहायता कर सकती हूँ और चाहती हूँ कि सभी युवा बेरोजगार जो कि इस प्रशिक्षण को करने की पात्रता रखते है वे निश्चित रूप से इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लें एवं इसका फायदा उठायें और आगे बढ़ने की कोशिश करें। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद द्वारा प्रायोजित तथा सिपेट – जयपुर द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को करके मैं बेहद खुश हूँ।

मीना जोशी

आजीविका उप परियोजना कार्यशाला आयोजित

झालावाड़ – झालावाड़ जिले में जिला परियोजना प्रबंधन इकाई द्वारा 24 जनवरी 2014 को बागवानी एवं वानिकी कॉलेज, झालरापाटन में आजीविका विषयक उप परियोजना पर चर्चा हेतु कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में सभी जिला स्तर के अधिकारी यथा – महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र, जिला साक्षरता अधिकारी, जिला मत्स्य अधिकारी, उप–निदेशक आई.सी.डी.एस. परियोजना, निदेशक आत्मा परियोजना, सहायक निदेशक बागवानी विभाग, समन्वयक कृषि विज्ञान केन्द्र, समन्वयक आर सेटी, पीएनबी झालावाड़, सहायक प्रोफेसर बागवानी एवं वानिकी महाविधालय तथा कुछ प्रमुख गैर–सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला परियोजना प्रबन्धन इकाई झालावाड़ से श्री चन्द्रकांत शर्मा, जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका झालावाड़, श्री जगदीश चन्द्र नागदा, प्रबन्धक (सूक्ष्म वित्त) तथा श्री राकेश कुमार तिवारी, प्रबन्धक (आजीविका व पर्यावरण) भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित खुले सत्र में उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा आजीविका उप–परियोजना क्रियान्वयन हेतु कई सुझाव दिये गये। कार्यशाला मे दिये गये सुझावों में उप परियोजना के रूप में हथकरघा उद्योग बागवानी डेयरी गतिविधि व बकरी पालन आदि गतिविधियों का समर्थन समस्त प्रतिभागियों ने किया। इसके साथ ही संतरे का मूल्य संवर्धन, बागवानी सम्बन्धित फसलों की नर्सरी तैयार कर संरक्षित कृषि तथा जैविक कृषि आदि गतिविधियों को आजीविका उप–परियोजना के रूप में प्रोत्साहित करने के विषय में भी चर्चा की गई।

चर्चा के दौरान यह सुझाव भी दिया गया कि किसानों को समय पर कृषि आदानों यथा उर्वरक खाद, कीटनाशक, उच्च गुणवत्ता के बीज एवं आवश्यक जानकारी देने के लिये एक सहकारी संस्थान की स्थापना पर विचार किया जा सकता है। इस सहकारी संस्थान में सी.डी.ओ. की भी महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारित की जा सकती है। इस सुझाव पर कृषि विभाग के प्रतिनिधि द्वारा इस प्रकार की गतिविधियों मे पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया गया।

चन्द्रकांत शर्मा
जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका, झालावाड़।

वित्तीय साक्षरता व ऋण वितरण समारोह
(26–स्वयं सहायता समूहों को ऋण वितरित)

बून्दी – बून्दी जिले के देई कस्बे में 28 दिसम्बर 2013 को समृद्धि महिला मण्डल ट्रस्ट की और से वित्तीय साक्षरता व ऋण वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान 26 स्वयं सहायता समूहों को केन्द्रीय सहकारी बैंक की ओर से विभिन्न आजीविका उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कुल 11 लाख 19 हजार रूपये के चेक वितरित किये गये।

समारोह के दौरान श्री एस.एल. जांगिड़, जिला परियोजना प्रबन्धक, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), बून्दी ने उपस्थित महिलाओ को समूहों मे पंचसूत्र के पालन पर जोर दिया। श्री एस.एल. जांगिड़ ने महिला स्वयं सहायता समूहों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजस्थान

सरकार द्वारा संचालित राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा कर उपस्थित स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को परियोजना से जोड़कर सुनहरा कल बनाने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम में श्री एस.एल. बिरला, जिला प्रबन्धक, (नाबार्ड), श्री पदम् जैन, कार्यक्रम अधिकारी, (सृजन), ऋण अधिकारी सैन्ट्रल कॉ–ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, बून्दी, श्रीमती सावित्री गौड़, अध्यक्ष, समृद्धि महिला मण्डल ट्रस्ट, सहित कई गणमान्य नागरिकों ने भी उपस्थित महिला समूहों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं के अनुभव, ज़ीरो बजट कृषि, सरसों/सोयाबीन की उन्नत कृषि तकनीक, महिला कृषि समृद्धि परियोजना, पशु सखी आदि विषयों पर चर्चा आदि आकर्षण का केन्द्र रहे। इस कार्यक्रम में विभिन्न ब्लॉक एवं गाँवों से लगभग 150 महिलाओं नें भाग लिया।

एस.एल. जांगिड़
जिला परियोजना प्रबन्धक, राजीविका, बून्दी।

स्वत्वाधिकारी राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् के लिए प्रकाशक स्टेट मिशन डायरेक्टर, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् "राजीविका" जयपुर द्वारा प्रकाशित।

प्रकाशक : राजीव सिंह ठाकुर (आई.ए.एस.), शासन सचिव (ग्रामीण विकास) एवं स्टेट मिशन डायरेक्टर (राजीविका)।
सम्पादक : हरदीप सिंह चोपड़ा (परियोजना निदेशक)।
सह सम्पादक : विजय शर्मा, महाप्रबन्धक (प्रशासन)।
संकलन : अंजु बर्क
पता : तृतीय तल, आरएफसी ब्लॉक, उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर (राज.)।
दूरभाष : 0141–2227011, 2227416,
फैक्स : 2227723
वेबसाइट : www.rgavp.org

Printed by: Bhavan Graphic Printers # 09413341320